

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

**MHD-17**

**हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि [एम. ए. (हिन्दी)]**

**(एम. एच. डी.)**

**सत्रांत परीक्षा**

**दिसम्बर, 2025**

**एम. एच. डी.-17 : भारत की चिंतन परम्पराएँ और**

**दलित साहित्य**

समय : 2 घण्टे

अधिकतम अंक : 50

---

**नोट :** किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

---

1. बौद्ध दर्शन में अनात्मवाद के सिद्धान्त का महत्व बताइए। 10
2. धर्मकीर्ति के क्षणिकवाद-सिद्धान्त की चर्चा कीजिए। 10
3. दिङ्नाग दर्शन की विशेषताएँ लिखिए। 10
4. प्रमाण सिद्धान्त क्या है? स्पष्ट कीजिए। 10
5. भारतीय दर्शन परम्परा और चार्वाक मत की विशेषताओं को रेखांकित कीजिए। 10

[ 2 ]

6. संवाद की लोकतांत्रिक परम्परा की चर्चा कीजिए। 10
7. सिद्ध सम्प्रदाय के उदय की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर विचार कीजिए। 10
8. दलित साहित्य को निर्मित करने में नाथ साहित्य की भूमिका का विवेचन कीजिए। 10
9. नाथ पंथी साहित्य की प्रासंगिकता पर विचार कीजिए। 10
10. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :

5×2=10

(क) सर्वज्ञ क्या है?

(ख) वीरशैवपुराण

(ग) लोकायत

(घ) दलित साहित्य

× × × × ×